यूएई से आएगा 50 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश

खाड़ी देशों से तीन दिन के दौरे के बाद लौटे एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया यूपी की बदली तस्वीर से निवेशक उत्साहित

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 50 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आएगा। अबुधाबी और दुबई में हुए रोड शो और अलग-अलग समूहों के साथ हुई बैठकों के बाद ये नतीजे सामने आए हैं। इनमें वहां के 200 से ज्यादा शीर्ष उद्योगपतियों या उनकी कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

फरवरी में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों के तहत एमएसएमई मंत्री राकेश सचान की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल तीन दिन तक यूएई में रहकर लौटा है। इस दौरान हुए रोड शो में 150 शीर्ष उद्यमियों से मुलाकात हुई। अधिक संभावना वाले 50 निवेशक समूहों से अलग-अलग मुलाकात भी की गई। इन सभी को यूपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर, कानून-व्यवस्था और औद्योगिक शांति के बारे में जानकारी दी गई।

कुल कितने एमओयू हुए? इस पर एमएसएमई मंत्री कहते हैं कि इसकी सटीक संख्या के बारे में फिलहाल कुछ नहीं कह सकते। अबुधाबी में

अबुधाबी व दुबई में रोड शो और बैठकों में 200 से ज्यादा शीर्ष उद्योगपतियों ने लिया हिस्सा

चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इडस्ट्री के साथ निवेश के लिए समझौता हुआ। इस संगठन में 130 सदस्य हैं। इनमें से अधिकतर ने यूपी में निवेश के लिए अपनी सहमति दी है। ऊर्जा, रियल एस्टेट, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रिकल व्हीकल, लॉजिस्टिक्स, हॉस्पिटेलिटी, लॉजिस्टिक, पर्यटन और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय 200 से ज्यादा बिजनेस समूहों के शीर्ष प्रतिनिधियों से मुलाकात हुई। इनमें यूएई सरकार की स्वामित्व वाली कंपनियों के प्रतिनिधि भी थे।

अबुधाबी ग्लोबल मार्केट, लुलु ग्रुप, ट्रांसनेशनल कंप्यूटर एलएलसी ग्रुप, एलाना और बुर्जील हॉस्पिटल के प्रतिनिधियों ने यूपी में निवेश के संबंध में जानकारी ली। सचान ने बताया कि इन उद्यमियों के दिमाग में यूपी की छह साल पहले वाली छवि थी, जब कानून-व्यवस्था कटघरे में थी। रोड और एयर कनेक्टिविटी न सिर्फ खराब थी, बल्कि दूर-दूर तक इसके सुधरने की कोई उम्मीद भी न दिखती थी। आज के यूपी की तस्वीर हमने उनके सामने रखी तो उन्होंने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दी।

अबुधाबी ग्लोबल मार्केट के चेयरमैन अहमद जसीम अल जाबी ने निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही कहा कि वे इन्वेस्टर्स समिट में शामिल होने आएंगे। अबुधाबी चैम्बर के डीजी मो. एच-अल मुहारी ने कहा कि यूपी तेजी से आगे बढ़ता हुआ प्रदेश है। यूएई के विदेश व्यापार मंत्री थनी बिन अहमद अल ज्योदी से मुलाकात कर निवेश योजनाओं पर चर्चा की, क्योंकि वहां सरकार की स्वामित्व वाली भी तमाम कंपनियां हैं। प्रमुख सचिव, पीडब्ल्यूडी नरेंद्र भूषण ने भी वहां मिले रिस्पॉन्स को काफी उत्साहवर्धक बताया।

यूपी में पांच हजार एकड़ में बनेगी नॉलेज स्मार्ट सिटी

अमेरिका में आस्टिन विवि के साथ एमओयू, 35 हजार करोड़ रुपये का होगा निवेश

लखनऊ। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत निवेश लाने गई टीम ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में ऑस्टिन यूनिवर्सिटी के साथ नॉलेज स्मार्ट सिटी के लिए एमओयू साइन किया है। यह नॉलेज स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पांच हजार एकड़ जमीन पर बनाया जाएगा। इसमें दुनिया के कई विश्वविद्यालय भागीदार होंगे। स्टार कंसोर्टियम प्रदेश में डाटा सेंटर व लॉजिस्टिक सेवाएं देगा तो एसएलजी कैपिटल डाटा सेंटर बनाएगा। इससे प्रदेश के हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उधर, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय सोमवार को फ्रांस का दौरा करेंगे।

शिक्षा जगत की बदलेगी तस्वीर : सैन फ्रांसिस्को में यूएस बेस्ड सलोनी हार्ट फाउंडेशन ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और आईआईडीसी अरविंद कुमार की मौजूदगी में एमओयू साइन किया। वहीं ऑस्टिन यूनिवर्सिटी ने उत्तर प्रदेश में नॉलेज स्मार्ट सिटी के लिए 35 हजार करोड़ रुपये का एमओयू साइन किया। ऑस्टिन यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष अशरफ अली मुस्तफा ने कहा कि इस प्रोजेक्ट में बेस्ट यूनिवर्सिटी आएंगी। इस प्रोजेक्ट से भारत और अन्य जगहों पर उच्च शिक्षा की तस्वीर बदल जाएगी। वहीं, फाल्कन एक्स के सीईओ मुरली चिराला के साथ भी तीन एमओयू साइन हुए। इनमें विशेष रूप से नोएडा में एक सेंटर बनाया जाएगा। इंक्यूबेटर्स व एक्सिलरेटर्स यूनिट स्थापित होंगी। ब्यूरो